विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 49 माह - जनवरी 2023, मूल्य : निःशुल्क

सक्सेस स्टोरी
स्वरोजगार से बदला जीवन : रचना पटेल

लक्ष्य
17 एसडीजी को पूरा करती समिति

अवसर
हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित

उपलब्धि
यूएनओ की बैठक में विचार समिति हुई शामिल

चर्चा
शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जमीनी मुद्दों पर

प्रशिक्षण
शिक्षकों ने सीखे नए कौशल स्वरोजगार

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

विचार समिति का विजन और लक्ष्य

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

जमीनी स्तर पर संयुक्त राष्ट्र एसडीजी लक्ष्यों का स्थानीयकरण

परिचय :-

विचार समिति मध्य प्रदेश के सागर जिले के समग्र विकास के लिए कार्यरत एक गैर सरकारी संगठन है। समिति 5000+ सक्रिय स्वयंसेवकों के साथ, जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, देखभाल और स्वच्छता में 360 डिग्री विकास के माध्यम से ग्रामीण और साथ ही शहरी क्षेत्रों में जीवन को सशक्त बनाने पर कार्यरत है। हमारा उद्देश्य सतत विकास के लिए एक मॉडल तैयार करना है जिसे पूरे देश और विश्व स्तर पर बढ़ाया जा सके। हम सिर्फ उदेश्य जागरूकता पैदा करना नहीं, बल्कि प्यार और विश्वास से जुड़े लोगों के एक नेटवर्क के माध्यम से लोगों को अपने जीवन में सुधार लाने के लिए प्रेरित करना है।

विजन :-

लोगों के जीवन के पारिस्थितिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं में सुधार करना और उनके जीवन में तत्काल और स्थायी परिवर्तन प्राप्त करना।

लक्ष्य :-

मध्य प्रदेश के सागर जिले में शुरू में बेहतर जीवन स्तर के लिए समग्र विकास के लिए जागरूकता और सामाजिक कार्रवाई के माध्यम से सतत, सहभागी विकास का एक मॉडल तैयार करना।

विचार समिति के 19 वर्षों के विकास कार्य

1 NO POVERTY

- 1185 निर्धन महिलाओं को प्रति दिन ₹500+ कमाने योग्य बनाया।
- 750+ युवाओं के लिए कैरियर-जागरूकता कार्यशाला।

2 ZERO HUNGER

- कुपोषण मुक्त भारत के लिए 150+ एनीमिया शिविर ।
- कोविड महामारी के दौरान 1980 राशन किट बांटी गई ।

3 GOOD HEALTH AND WELL-BEING

- 24×7 रक्तदान हेल्पलाइन ।
- 300+ रक्तदान शिविर ।
- 24×7 अंतिम संस्कार वाहन सेवा ।
- 25 योग केंद्र ।

4 QUALITY EDUCATION

- 765 स्कूल छोड़ चुके बच्चों को बुनियादी साक्षरता और अंक ज्ञान दिया।
- 10,000+ किताबों वाली लाइब्रेरी ।

5 GENDER EQUALITY

- महिलाओं से संबंधित अपराधों को रोकने के लिए 83000 लोगों को जागरूक किया।
- दुर्व्यवहार और भेदभाव से पीड़ित महिलाओं के लिए सहायता समूह।

6 CLEAN WATER AND SANITATION

- स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्र में 11500 लोगों के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था की ।
- जल प्रबंधन प्रशिक्षण ।
- 350+ वर्षा जल संचयन संयंत्र बनायें।

7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY

- सौर पैनल स्थापना से संबंधित कानूनी अनुपालन पर नीतिगत अनुशंसा ।

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH

- 1085 महिलाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण ।
- उद्यमिता विकास कार्यक्रम ।

9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE

- पर्यावरण के अनुकूल गाय के गोबर के उत्पाद पर अनुसंधान एवं विकास
- उद्यमियों के लिए सूक्ष्म वित्त की सुविधा ।

10 REDUCED INEQUALITIES

- सामाजिक एकता के लिए 31,000 लोगों के साथ सबसे लंबी तिरंगा मानव श्रृंखला का विश्व रिकॉर्ड बनाया।

11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES

- 3000+ किचन गार्डन बनवाए ।
- प्रति वर्ष 1500+ लोगों को जैविक खेती करने का प्रशिक्षण दिया जाता है ।

12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION

- 7,00,000 इको-फ्रेंडली गाय के गोबर के उत्पादो का विक्रय ।
- सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणाम हेतु जागरूकता अभियान।

13 CLIMATE ACTION

- 1,00,000 सीड बॉल रोपण।
- 30,000 पौधे मियावाकी पद्धति और वृक्षारोपण के तहत रोपित ।

14 LIFE BELOW WATER

- जैव-एंजाइम और खाद बनाने में गीले एवं सूखे कचरे का उपयोग ।
- भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा शाकाहार के अभियान पर सम्मानित किया गया।

15 LIFE ON LAND

- 250+ गायों को संरक्षण।
- 35,000 किलो मिट्टी को अनउपजाऊ होने से बचाया ।

16 PEACE, JUSTICE AND STRONG INSTITUTIONS

- मुफ्त कानूनी सहायता सेवा ।
- अहिंसा अभियान के पश्चात् सागर को भारत का सबसे सुरक्षित शहर घोषित किया गया ।

17 PARTNERSHIPS FOR THE GOALS

- सरकारी, गैर सरकारी संगठनों और कॉरपोरेट्स के साथ ज्ञान और संसाधन भागीदारी ।

संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में विचार समिति ने दुनिया को बताया गोबर के उपयोग से पर्यावरण के संरक्षण का तरीका

आकांक्षा मलैया ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर जोर दिया

संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में आकांक्षा मलैया ने वक्ता की भूमिका निभाई।

विचार समिति अब अंतर्राष्ट्रीय संस्था बन चुकी है। हाल ही में बैंकाक में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने भाग लिया। आकांक्षा ने संयुक्त राष्ट्र संघ के महत्वपूर्ण सत्रों में से एशिया-प्रशांत क्षेत्र जलवायु फाइनेंस राउंड टेबल में वक्ता की भूमिका निभाई। बैठक में स्वच्छ ऊर्जा निवेश, हरित जलवायु कोष और सीओपी 27 में निवेश से संबंधित प्रमुख चर्चाएं हुईं। जिसमें आकांक्षा ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर अपने विचार रखते हुए कहा कि फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एवं स्टॉक मार्केट के जरिए से ग्रीन एनर्जी में इन्वेस्टमेंट बढ़ाए जा सकते हैं। इस इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्लीन एनर्जी पर शोध बढ़ाया जा सकता है और विश्व वहनीयता (सस्टेनेबिलिटी) की ओर कदम बढ़ा सकता है।

उन्होंने बताया कि विचार समिति गोबर के इस्तेमाल से लकड़ी और मिट्टी का संरक्षण करने का कार्य कर रही है। जिसमें समिति द्वारा 7 लाख गोबर के दीए बनाकर 258 निर्धन महिलाओं को रोजगार प्रदान किया गया। इससे 250 गौ माताओं का संरक्षण हुआ और करीब 35 हजार किलो मिटटी के अपक्षरण को भी बचाया है। समिति यह संदेश देना चाहती है कि हमें ऐसी निर्माण सामग्रियों का उपयोग करना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके। बैठक का आयोजन 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2022 तक किया गया। जिसका विषय एशिया और प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग और एकजुटता के माध्यम से हमारे ग्रह की रक्षा करना था। इस बैठक में थाइलैंड के प्रधानमंत्री और अलग-अलग देशों के मंत्री एवं प्रतिनिधि शामिल हुए।

यूएएन की बैठक में गोबर से बने उत्पादों की जानकारी साझा करते हुए आकांक्षा मलैया

एलेक्स फाउंडेशन द्वारा सतत विकास के लक्ष्यों को बढ़ावा देने वाले 2 संस्थाओं की सदस्यों में विचार समिति को चयनित कर इस बैठक में आमंत्रित किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है जिसके उद्देश्य में उल्लेख है कि यह अन्तर्राष्ट्रीय कानून को सुविधाजनक बनाने के सहयोग, अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, मानव अधिकार और विश्व शान्ति के लिए कार्यरत है। वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र में 193 राष्ट्र हैं, विश्व के लगभग सारे अन्तरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राष्ट्र शामिल हैं। अर्मिदा सालसियह अलीसजाह्बाना (Ms. Armida Salsiah Alisjahbana), UN ESCAP कार्यकारी सचिव (Executive Secretary) द्वारा विशेष रूप से विचार समिति के कार्य की सराहना की गई। सराहना करने वालों में स्कॉट न्यूमेन (फूड एण्ड एग्रीकल्चर आर्गनाइजेशन ऑफ दी यूनाइटेडनेशन), सतीश कुमार डीवी (डिप्टी डायरेक्टर नैसकॉम फ्यूचर स्किल्स), रेबेका पुरबा (ESCAP), लक्ष्मी अन्नपूर्णा चिंतालुरी (एजुकेशनल मेंटोरिंग इंडिया) आदि शामिल थे

विचार समिति सभी 17 एसडीजी लक्ष्यों पर काम कर रही है

संयुक्त राष्ट्र संघ सिर्फ देशों को ही नहीं एनजीओ के विचारों को भी एक सामान्य मंच प्रदान करता है, चूंकि आज के समय में एनजीओ विकास का एक बड़ा माध्यम है। विचार समिति को इस बैठक में इसलिए बुलाया गया था कि विचार समिति सभी 17 एसडीजी लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स) पर 12,500 परिवारों के साथ जमीनी स्तर पर कार्यरत है। ऐसी बहुत कम ही संस्थाएं जो एक साथ 17 लक्ष्यों पर काम कर रही है। समिति ने विकास के लिए एक इको-सिस्टम बनाया है, जिसके माध्यम से नए अन्वेषण को ढालने में किसी भी संस्था या सरकार के लिए बेहद आसान है। इसके साथ ही पर्यावरण के लिए 30,000 से अधिक पेड़, 35000 मानव श्रृंखला बनाकर राष्ट्र भाव से लोगों के बीच एकता बनाने का उद्देश्य था।

पत्रकार वार्ता

विचार समिति अब अंतरराष्ट्रीय संस्था बन चुकी है : आकांक्षा मलैया

विचार समिति ने 11 दिसंबर दिन रविवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया था। इस दौरान विचार समिति का संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रतिनिधित्व, समिति जमीनीस्तर 17 एसडीजी लक्ष्यों को पूरा करने पर कैसे कार्य कर रही है, वर्तमान उपलब्धियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। वार्ता में पत्रकारों के प्रश्नो के उत्तर समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने दिये।

प्रश्न - विचार समिति 1 से 5 तक के एसडीजी लक्ष्यों को कैसे पूरा कर रही है?

उत्तर - समिति सतत् विकास के 1 से 5 तक के लक्ष्य क्रमश: गरीबी की पूर्णत: समाप्ति के लिए 1150 आर्थिक रूप से पिछड़ी महिलाओं को प्रतिदिन 500 से अधिक रुपए कमाने के योग्य बनाया, 750 से अधिक युवाओं के लिए भविष्योन्मुखी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। भुखमरी की समाप्ति के लिए 150 से अधिक एनीमिया शिविरों का आयोजन, कोविड-19 के दौरान 1980 से अधिक राशन का वितरण। अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर के लिए 24x7 रक्तदान हेल्पलाइन, 300 से अधिक रक्तदान शिविर, 24x7 अंतिम संस्कार वाहन सेवा, 25 योग शिविर।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 765 स्कूल छोड़ चुके बच्चों को बुनियादी साक्षरता और अंक ज्ञान से जोड़ा, 10,000 से अधिक किताबो की लाइब्रेरी। लैंगिक समानता के लिए महिलाओं से संबंधित अपराधों को रोकने के लिए 83000 से अधिक लोगों को जागरूक किया, दुर्व्यवहार और भेदभाव से पीड़ित महिलाओं के लिए सहायता समूह का गठन किया गया।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए आकांक्षा।

प्रश्न - विचार समिति की फंडिंग कहां से प्राप्त होती है।

उत्तर- विचार समिति की 90 प्रतिशत फंडिंग डोनेशन के माध्यम से प्राप्त होती है। 3 से 5 प्रति. सीएसआर ब्रांड के माध्यम से मिली है। समिति की फंडिंग की पूरी प्रक्रिया मैं पारदर्शिता रखी गई है। विचार मासिक पत्रिका एवं वर्षीय एनुअल रिपोर्ट के माध्यम से प्रकाशित करते हैं। सभी रिकॉर्ड, दानदाताओं के नाम, फोटो सहित प्रकाशित करते है।

प्रश्न - संयुक्त राष्ट्र संघ ने किस आधार पर विचार समिति को अपना मत रखने हेतु बुलाया था।

उत्तर - समिति लगातार 19 वर्षो से निंरतर सक्रिय तौर पर कार्यरत है। तीन मुख्य बिंदु पर कार्यरत है। हमारा कोई प्रोजेक्ट बेस कार्य नहीं की दो-तीन साल किया या किसी प्रोजेक्ट की फंडिंग मिलती है तभी कार्य करना। समिति जमीनी स्तर पर 12,500 परिवारों के साथ सयुंक्त राष्ट्र संघ के सभी 17 एसडीजी लक्ष्यों पर कार्य कर रही है। विचार समिति ने 200 से अधिक सामाजिक समस्याओं पर शोध पत्र पर रिसर्च किये है।

तीन राज्यों से आये बारह स्वरोजगार शिक्षकों ने सीखे नये कौशल

क्वेस्ट एलाइंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण

क्वेस्ट एलाइंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वाधान में 21वीं सदी की आवश्यकताओ आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में बी एन सोसाइटी, जीएचसीएल, स्किल इंडिया, विचार समिति के 12 प्रशिक्षकों के साथ स्वरोजगार टीओटी के माध्यम से उन्हें उद्यमशीलता कौशलो से जोड़ा जा सके। ट्रेनिंग ऑफ़ ट्रेनर्स के दौरान अर्जित शिक्षा और ज्ञान का उपयोग करके अपने क्षेत्र में उम्मीदवारों को अपने सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने में मदद करेंगे। महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण में 29 महिला उम्मीदवारों ने स्वरोज़गार स्थापित करने नियम, आवश्यकता, बाजार स्थिति, व्यवहार कुशलता को बढ़ाने पर ध्यान दिया गया। महिलाओं ने किराना उद्योग, कपड़ा उद्योग, टिफिन सेंटर, सिलाई, बुटीक, गोबर से बने उत्पादों पर उद्योग स्थापित पर प्रशिक्षण लिया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण के बारे में...

- विचारों का आदान प्रदान एवं सहयोगी गतिविधियों के माध्यम से स्वरोजगार, समस्या समाधान क्षमता के बारे में प्रशिक्षकों की समझ का निर्माण।

समिति प्रांगण में शिक्षक प्रशिक्षण लेते हुए

- प्रशिक्षकों को 4एम मॉडल का उपयोग करके व्यवसाय श्रेणियों का चयन करने के बारे में बताना। प्रशिक्षकों ने स्थानीय बाजार में ग्राहक सर्वेक्षण और प्रतियोगी विश्लेषण करके ग्राहक बनाने के बारे में सीखा।
- सभी प्रशिक्षकों द्वारा एक व्यावसायिक योजना प्रस्तुत की गई और व्यावसायिक विचार के सुधार पर अन्य समूहों से प्रतिक्रिया प्राप्त की गई।
- प्रशिक्षकों को आय, व्यय और लाभ/हानि पर नज़र रखने के लिए रिकॉर्ड रखने के बारे में जानकारी। मार्केटिंग और सेलिंग की प्रक्रिया को समझने में सभी प्रशिक्षकों की मदद करने के लिए रोल प्ले किया गया।

अंत में, प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण से मिली सीख, सुधार के क्षेत्रों और भावनाओं के बारे में बताया। प्रशिक्षकों को शिक्षार्थियों को सत्र प्रदान करते समय चुनौतियों को हल करने में मदद करने के लिए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण के बाद सहायता प्रदान की जाएगी। प्रशिक्षकों में क्वेस्ट एलाइंस कार्यक्रम सहयोगी पल्लवी मिश्रा, महिला सशक्तिकरण, कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम, आईसीडीएस सेवाओं और रोजगार कौशल पर ध्यान केंद्रित करने वाले विभिन्न गैर-लाभकारी संगठनों और परियोजनाओं में एक प्रशिक्षण और विकास पेशेवर के रूप में काम किया है। राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम सहयोगी प्रांजल मिश्रा महिलाओं को उद्यमिता और डिजिटल मार्केटिंग पर प्रशिक्षण प्रदान करके अपना व्यवसाय शुरू करने और बढ़ाने में मदद करना कार्यरत है।

सक्सेस स्टोरी : रचना पटेल

शादी के 12 साल बाद बनीं आत्मनिर्भर

बदल रहा है सागर, इस बदलाव की वाहक हैं वे महिलाएं जिनके सपने अंधियारे को चीरकर रोशनी बिखेर रहे हैं। हर हाल में उठ खड़े होने की आस जगा देने वाली है इनकी कहानी।

हम बात कर रहे हैं मोहल्ला विकास योजना से जुड़ी घरेलू काम में व्यस्त रहने वाली तिलकगंज निवासी रचना पटेल की। जो समाज के उस तबके से आती हैं, जो कई समस्याओं से जूझते हुए आगे आई हैं लेकिन वे अब ऐसी मान्यताओं और पूर्वाग्रहों को पीछे छोड़कर न केवल अपनी राह में आने वाली बाधाओं को पार कर रही है। साथ ही अपने जैसी अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने में सहयोग करते हुए अपनी नेतृत्व क्षमता को बखूबी साबित कर रही हैं।

बुरा समय भी देखा -

पति नरेंद्र पटेल दैनिक मजदूरी पर नमकीन बनांने का काम करते है। पूरी गृहस्थी एक चारदीवारी कमरे में सिमटी थी। दो बेटे लकी और अनुज है। रचना कहती हैं, अनुज को 13 माह की उम्र में हर्निया हो गया था। हमसे जितना हो सका अच्छे इलाज के लिए प्रयास किया। कमाने को पति ही थे, मुझे लगता अगर में भी कुछ कार्य करती तो अपने बच्चे का अच्छे अस्पताल में इलाज करवा पाती। छोटे बेटे अनुज से जब पूछा, बड़े होकर क्या बनना है। उत्तर देता है - डॉक्टर। मैंने पूंछा क्यों ? बड़ी मासूमियत से उत्तर देता - ताकि सबको ठीक कर सकूं।

बदल दिए घर के हालात-

12 साल पहले मैं शादी कर ससुराल पहुंची। आर्थिक हालात भी ठीक नहीं थे, लेकिन मैंने तय कर लिया कि खुद अपने घर की तस्वीर बदलूंगी। मुझे पता चला विचार समिति से कोई मदद हो जाये ।

इसी बीच मैंने सिलाई सीखी, समिति हथकरघा प्रशिक्षण से मैंने सूती कपड़ों को बनाना सीखा। सीखें हुए प्रशिक्षण से सिलाई के काम में काफी निखार आया और लॉकडाउन के समय मुझे काफी लाभ हुआ। इसके बाद गोबर से बने हुए दिए बनाने के प्रोजेक्ट पर काम किया। मैंने लगभग ₹35000 का स्वरोजगार प्राप्त कर स्वावलंबन की मिसाल पेश की है।

विभिन्न प्रशिक्षण में ले चुकी हैं हिस्सा -

रचना कहती है, पहले हथकरघा प्रशिक्षण, गोमय दिया प्रशिक्षण दिया और अभी हाल ही में, महिला स्वरोजग़ार प्रशिक्षण में हिस्सा लिया, जिसमे स्वरोजगार की पूरी प्रक्रिया को समझना, स्वरोजगार क्या है?, स्वरोजगार क्षेत्र में आने वाली बाधाओं को समझना, बाजार की आवश्यकताओं को समझना, रिकॉर्ड बनाना आदि पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रशिक्षण केंद्र खोलना चाहती हैं -

अब स्वयं का स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र खोलना चाहती है। रचना कहती है मुझे बहुत खुशी होती है जो महिलाएं कभी घर से नहीं निकलती थीं आज वह प्रशिक्षण लेने जाती हैं। खुद से लेन-देन में भी आगे आई हैं। लगता है मैं खुद से कुछ कर पा रही हूं। मेरे जैसे हजारों परिवार है जिन्हे सहयोग की आवश्यकता है।

21वीं सदी के नए कौशलों को सीखने वाले प्रतिभागियों का सम्मान

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया।

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिला स्वरोजगार की ओर बढ़ते कदमों को प्रोत्साहित करने के लिए विचार समिति ने समिति प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया। 75 प्रतिभागियों को गोबर की शील्ड व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। तीन प्रोजेक्ट पर सहभागियों का सम्मान किया गया। प्रथम प्रोजेक्ट में स्वरोजगार शिक्षक प्रशिक्षण, द्वितीय प्रोजेक्ट में स्कूली शिक्षकों का वचुर्अल प्रशिक्षण, तृतीय प्रोजेक्ट में स्वावलंबन योजना के तहत गोबर से बने उत्पादों के प्रमोशन, विक्रय, डिजाइनिंग में सहभागी थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री सम्मान से सम्मानित रामसहाय पांडे, विशिष्ठ अतिथि बंसल हास्पिटल के सीईओ डॉ. संकेत लहरी, कवि हरगोविंद विश्व, मंचासीन पदाधिकारी क्वेस्ट एलाइंस बैंगलोर से प्रांजल मिश्रा, भावी निर्माण सोसायटी जयपुर से गिरिराज शर्मा, रमा शर्मा उपस्थित थे। इस अवसर पर बंसल हास्पिटल के सीईओ संकेत लहरी ने कहा कि विचार समिति शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सभी मुद्दों पर ईमानदारी से कार्य कर रही है। रामसहाय पांडे ने कहा कि विचार समिति जो कार्य कर रही है उससे सागर का नाम निश्चित तौर पर विश्व में ऊंचा उठेगा। उन्होंने महिला सशिक्तकरण को बढ़ावा देते हुए कहा कि बेटियां लक्ष्मी का रूप होती हैं और लक्ष्मी के अभाव में पूरा घर सूना लगता है। हरगोविंद विश्व ने बताया कि मुझे बहुत खुशी होती है कि हम साहित्यिक, सांस्कृतिक विरासत को संजोय हुए हैं। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सागर में प्रतिभा की कमी नहीं है। किसी ने कभी यह सोचा भी नहीं होगा कि गाय के गोबर से घड़ी, मोमेंटो, घर के साज-सज्जा का सामान बनाया जा सकता है। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गायों को आवारा छोड़ दिया जाता था और मिट्टी के दिये पके होने के कारण वह अनउपजाऊ हो जाती थी। समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के स्त्रोतों से जोड़ा गया।

मंच संचालन मार्गदर्शक श्रीयांश जैन व सहसंचालक अभिलाषा जाटव ने किया। इस अवसर पर विनय मलैया, सौरभ रांधेलिया, अंशुल भार्गव, राजेश सिंघई, राजकुमार नामदेव, उमाकांत मिश्रा, सूरज सोनी, अनुराग विश्वकर्मा, आयुषी सागर, ज्योति सराफ, नीपा दिवाकर, रजनी जैन आदि उपस्थित थीं।

विचार समिति ने हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया

निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए संपर्क करें

9575737475

विचार समिति द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से स्वदेशी वस्त्रों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र से 300 सफल हथकरघा बुनकरों के बाद नये हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ श्रीमति सरोज मलैया जी द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा के पास ट्रू वैल्यू तिलकगंज में किया गया। हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र की जानकारी देते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि 8 हथकरघा मशीनों के साथ यह प्रशिक्षण दो सत्रों के माध्यम से संचालित होगा। जिसमें 1:00 बजे से 3:30 बजे व दूसरा बैच 3:30 से 6:00 तक नियमित जारी रहेगा। प्रत्येक बैच में 15 से 20 प्रशिक्षणार्थी ट्रेनिंग ले सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए महिलाएं एवं पुरुष विचार समिति कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णता निःशुल्क होगा, जिसका लाभ इच्छुक महिला एवं पुरुष वर्ग सभी ले सकते हैं। प्रशिक्षण में उन्हें चादर बनाना, टॉवल, साड़ी, धोती एवं पंचा बनाना सिखाया जाएगा।

समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा विचार समिति हथकरघा को आजीविका का साधन बना रही है। हथकरघा उद्योग सागर के सामाजिक, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने हौसला अफजाई करते हुए सबसे पहले कपड़ो का ऑडर दिया। साथ ही उन्होंने कहा स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। यह लघु उद्योगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हथकरघा केंद्र प्रशिक्षक भाग्यश्री राय केंद्र की जानकारी साझा करते हुए कहा कि 75 दिवस के अंतराल में इस कार्य को कुशलता पूर्वक सीखा जा सकता है।

कार्यक्रम में सचिव आकांक्षा मलैया, प्रीति मलैया, आकाश जैन, प्रीति जैन, रजनी जैन, नीलू सागर आदि उपस्थित थीं।

मोहल्ला परिवार एक दूसरे से ऐसे जुड़े हैं जैसे अनगिनत धागों से बनी एक साड़ी

विचार मोहल्ला परिवार एक दूसरे से ऐसे जुड़े हैं जैसे अनगिनत धागों से बनी एक साड़ी। इन परिवारों में सामाजिक दायित्व, निर्णय क्षमता जीवन दृष्टि विविध से लेकर जागरूकता की आयाम स्पष्ट रूप से छलकते हुए नजर आने लगे हैं। गढ़ोली खुर्द, रतनगंज, जिंदा गांव, वल्लभनगर, भगवानगंज के परिवारों से समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने मिलकर उन परिवारों की समस्याओं को जाना और उनके साथ समय बिताया। उन्होंने बताया कि आज भी हमें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से लेकर नशा मुक्ति के प्रयास निरंतर जारी रखने होंगे। युवाओं को नैतिक जिम्मेदारी से जोड़ना होगा। एक बुजुर्ग महिला का बेटा शराब पीता है। दिन में लगभग 600 रूपये तक कमा लेता है और शाम को पूरे मिटा देता है। यह समस्या कई परिवारों की हो सकती है।

परिवारों की समस्याओं को सुनते हुए विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष

देश में ना जाने ऐसे कितने परिवार हैं, जो ऐसी समस्याओं से झुलसे हुए हैं। सामाजिक मुद्दों, अंधविश्वास, बच्चों की शिक्षा को लेकर हमारी बातचीत हुई। बुजुर्ग राधाबाई कहती है, पहले सुख सुविधाएं तो इतनी नहीं थी लेकिन आपसी प्रेम बहुत था। सभी एक दूसरे का काम करवाने में कभी पीछे नहीं हटते। अब तो जैसे उन्हें कोई मतलब ही नहीं रह गया हो।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत कटनी में लगाया गोमय उत्पादों का स्टॉल

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत लघु उद्योग भारती और एमएसएमई विभाग द्वारा तीन दिवसीय स्वयंसिद्धा स्वावलंबी भारत ट्रेड फेयर का आयोजन कटनी में किया गया। आयोजन में मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं जानीमानी भजन गायिका अनुराधा पौड़वाल ने शिरकत की। 16 से 18 दिसंबर तक चलने वाले भारत ट्रेड फेयर में पूरे भारत से उत्पाद निर्माता कंपनी सहभागिता दी। विचार समिति ने गोबर से बने स्वदेशी उत्पादों को इस मेले में स्टॉल लगाकर प्रदर्शित किया। सामग्री मे गोबर से बने दिए, धूपबत्ती, शील्ड, मोमेंटो, घड़ी, गोबर से निर्मित माला एवं अन्य उत्पादों से अपनी दुकान को सजाया।

समिति गोमय परियोजना सहायक अरविंद एवं विनय चौरसिया ने स्वयंसिद्धा स्वावलंबी भारत ट्रेड फेयर की जानकारी साझा करते हुए बताया कि गोमय उत्पादों के उपयोग से संबंधित जिज्ञासाएं थी। गोबर का उपयोग इतनी अच्छी तरह से सजावटी सामग्री बनाने, धूपबत्ती बनाने में किया जा सकता है।

मीडिया कवरेज

संयुक्त राष्ट्र संघ बैठक में विचार समिति ने गोबर के इस्तेमाल से पर्यावरण का संरक्षण पर दी प्रस्तुति

आकांक्षा ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर अपने विचार रखते

दैनिक जनविंगारी/गजेंद्र ठाकुर। सागर।

विचार समिति अब अंतर्राष्ट्रीय संस्था बन चुकी है। हाल ही में बैंकाक में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने भाग लिया। आकांक्षा ने संयुक्त राष्ट्र संघ के महत्वपूर्ण सत्रों में से एशिया-प्रशांत क्षेत्र जलवायु फाइनेंस राउंड टेबल में वक्ता की भूमिका निभाई। बैठक में स्वच्छ ऊर्जा निवेश, हरित जलवायु कोष और सीओपी 27 में निवेश से संबंधित प्रमुख चर्चाएं हुईं।

जिसमें आकांक्षा ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर अपने विचार रखते हुए कहा कि फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एवं स्टॉक मार्केट के जरिए से ग्रीन एनर्जी में इन्वेस्टमेंट बढ़ाए जा सकते हैं। इस इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्लीन एनर्जी पर शोध बढ़ाया जा सकता है और विश्व वहनीयता (सस्टेनेबिलिटी) की ओर कदम बढ़ा सकता है। उन्होंने बताया कि विचार संस्था गोबर के इस्तेमाल से लकड़ी और मिट्टी का संरक्षण करने का कार्य कर रही है। जिसमें संस्था द्वारा 7 लाख गोबर के दीए बनाकर 258 निर्धन महिलाओं को रोजगार प्रदान किया गया।

इससे 250 गौ माताओं का संरक्षण हुआ और करीब 35 हजार किलो मिटटी के अपक्षरण को भी बचाया है। समिति यह संदेश देना चाहती है कि हमें ऐसी निर्माण सामग्रियों का उपयोग करना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके। बैठक का आयोजन 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2022 तक किया गया। जिसका विषय एशिया और प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग और एकजुटता के माध्यम से हमारे ग्रह की रक्षा करना था। इस बैठक में थाइलैंड के प्रधानमंत्री और अलग-अलग देशों के मंत्री एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। एलेक्स फाउंडेशन द्वारा सतत विकास के लक्ष्यों को बढ़ावा देने वाले 2 संस्थाओं की सदस्यों में विचार समिति को चयनित।

गोबर के इस्तेमाल से पर्यावरण का संरक्षण पर दी प्रस्तुति

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति अब अंतर्राष्ट्रीय संस्था बन चुकी है। हाल ही में बैंकाक में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने भाग लिया। आकांक्षा ने संयुक्त राष्ट्र संघ के महत्वपूर्ण सत्रों में से एशिया-प्रशांत क्षेत्र जलवायु फाइनेंस राउंड टेबल में वक्ता की भूमिका निभाई। बैठक में स्वच्छ ऊर्जा निवेश, हरित जलवायु कोष और सीओपी 27 में निवेश से संबंधित प्रमुख चर्चाएं हुईं। जिसमें आकांक्षा ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर अपने विचार रखते हुए कहा कि फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एवं स्टॉक मार्केट के जरिए से ग्रीन एनर्जी में इन्वेस्टमेंट बढ़ाए जा सकते हैं। इस इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्लीन एनर्जी पर शोध बढ़ाया जा सकता है और विश्व वहनीयता (सस्टेनेबिलिटी) की ओर कदम बढ़ा सकता है। उन्होंने बताया कि विचार संस्था गोबर के इस्तेमाल से लकड़ी और मिट्टी का संरक्षण करने 258 निर्धन महिलाओं को रोजगार प्रदान किया गया। इससे 250 गौ माताओं का संरक्षण हुआ और करीब 35 हजार किलो मिटटी के अपक्षरण को भी बचाया है। समिति यह संदेश देना चाहती है कि हमें ऐसी निर्माण सामग्रियों का उपयोग करना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके। बैठक का आयोजन 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2022 तक किया गया। जिसका विषय एशिया और प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग और एकजुटता के माध्यम से हमारे ग्रह की रक्षा करना था। इस बैठक में थाइलैंड के प्रधानमंत्री और अलग-अलग देशों के मंत्री एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। एलेक्स फाउंडेशन द्वारा सतत विकास के लक्ष्यों को बढ़ावा देने वाले 2 संस्थाओं की सदस्यों में विचार समिति को चयनित कर इस इसलिए बुलाया गया था कि विचार समिति सभी 17 एसडीजी लक्ष्यों (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स) पर 12,500 परिवारों के साथ जमीनी स्तर पर कार्यरत है। ऐसी बहुत कम ही संस्थाएं जो एक साथ 17 लक्ष्यों पर काम कर रही है। समिति ने विकास के लिए एक इको-सिस्टम बनाया है, जिसके माध्यम से नए अन्वेषण को ढालने में किसी भी संस्था या सरकार के लिए बेहद आसान है। इसके साथ ही पर्यावरण के लिए 30,000 से अधिक पेड़, 35000 मानव श्रृंखला बनाकर राष्ट्र

दैनिक भास्कर सागर 12-12-2022

संयुक्त राष्ट्र संघ को बताए गोबर के इस्तेमाल से पर्यावरण संरक्षण के उपाय

संयुक्त राष्ट्र संघ बैठक में विचार समिति ने दी गोबर से बने उत्पादों की प्रस्तुति

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर | विचार समिति के कामों के बारे में बताती समिति की सचिव।

विचार समिति ने अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। दरअसल 17 सतत विकास लक्ष्यों पर जमीनी स्तर पर काम करने और औसत सफलता भी हासिल करने पर हाल ही में बैंकाक में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में आमंत्रण के लिए विचार समिति को चयनित किया गया था। बैठक 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक हुई। इसका विषय एशिया और प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग और एकजुटता के माध्यम से हमारे ग्रह की रक्षा करना था। संस्था की ओर से सचिव आकांक्षा मलैया ने बैठक में भाग लिया और स्वच्छ ऊर्जा निवेश, हरित जलवायु कोष और सीओपी 27 में निवेश से संबंधित विषयों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एवं स्टॉक मार्केट के जरिए से ग्रीन एनर्जी में इन्वेस्टमेंट बढ़ाए जा सकते हैं। इस इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्लीन एनर्जी पर शोध बढ़ाया जा सकता है और विश्व वहनीयता (सस्टेनेबिलिटी) की ओर कदम बढ़ा सकता है। उन्होंने बताया कि विचार संस्था गोबर के इस्तेमाल से लकड़ी और मिट्टी का संरक्षण करने का कार्य कर रही है। इसमें संस्था द्वारा 7 लाख गोबर के दीये बनाकर 258 निर्धन महिलाओं को रोजगार प्रदान किया। इससे 250 गौ माताओं का संरक्षण भी हुआ। साथ ही करीब 35000 किलो मिटटी के अपक्षरण को भी बचाया है। उन्होंने कहा कि समिति यह संदेश देना चाहती है कि हमें ऐसी निर्माण सामग्रियों का उपयोग करना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके। बैठक में यूएन एस्केप कार्यकारी सचिव अर्मिदा सालसियह अलीसजाह्बाना, फूड एण्ड एग्रीकल्चर आर्गनाइजेशन ऑफ दी यूनाइटेड-नेशन के स्कॉट न्यूमेन, डिप्टी डायरेक्टर नैस्कॉम फ्यूचर स्किल्स के सतीश कुमार डीवी तथा एजुकेशनल मेंटोरिंग इंडिया की लक्ष्मी अन्नपूर्णा चिंतालुरी विचार समिति के कामों की सराहना की।

गोबर के इस्तेमाल से पर्यावरण का संरक्षण पर दी प्रस्तुति

सागर (आरएनएन)। विचार समिति अब अंतर्राष्ट्रीय संस्था बन चुकी है। हाल ही में बैंकाक में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने भाग लिया। आकांक्षा ने संयुक्त राष्ट्र संघ के महत्वपूर्ण सत्रों में से एशिया प्रशांत क्षेत्र जलवायु फाइनेंस राउंड टेबल में वक्ता की भूमिका निभाई। बैठक में स्वच्छ ऊर्जा निवेश, हरित जलवायु कोष और सीओपी 27 में निवेश से संबंधित प्रमुख चर्चाएं हुईं। जिसमें आकांक्षा ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर अपने विचार रखते हुए कहा कि फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एवं स्टॉक मार्केट के जरिए से ग्रीन एनर्जी में इन्वेस्टमेंट बढ़ाए जा सकते हैं। इस इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्लीन एनर्जी पर शोध बढ़ाया जा सकता है और विश्व वहनीयता (सस्टेनेबिलिटी) की ओर कदम बढ़ा सकता है। उन्होंने बताया कि विचार संस्था गोबर के इस्तेमाल से लकड़ी और मिट्टी का संरक्षण करने का कार्य कर रही है। जिसमें संस्था द्वारा 7 लाख गोबर के दीए बनाकर 258 निर्धन महिलाओं को रोजगार प्रदान किया गया। इससे 250 गौ माताओं का संरक्षण हुआ और करीब 35 हजार किलो मिटटी के अपक्षरण को भी बचाया है। समिति यह संदेश देना चाहती है कि हमें ऐसी निर्माण सामग्रियों का उपयोग करना चाहिए जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके। बैठक का आयोजन 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक किया गया। जिसका विषय एशिया और प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग और एकजुटता के माध्यम से हमारे ग्रह की रक्षा करना था। इस बैठक में थाइलैंड के प्रधानमंत्री और अलग अलग देशों के मंत्री एवं प्रतिनिधि शामिल हुए। एलेक्स फाउंडेशन द्वारा सतत विकास के लक्ष्यों को बढ़ावा देने वाले 2 संस्थाओं की सदस्यों में विचार समिति को चयनित किया गया।

दैनिक भास्कर सागर 13-12-2022

महिला स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने 75 प्रतिभागी का गोबर की शील्ड और सर्टिफिकेट से किया सम्मान

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में सम्मान किया।

महिला स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में विचार समिति प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें तीन प्रोजेक्ट के 75 प्रतिभागियों को गोबर की शील्ड व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। प्रतिभागियों को अतिथि पद्मश्री रामसहाय पांडे, बंसल हास्पिटल के सीईओ डॉ. संकेत लहरी, कवि हरगोविंद विश्व, क्वेस्ट एलाइंस बैंगलोर के प्रांजल मिश्रा, भावी निर्माण सोसायटी जयपुर के गिरिराज शर्मा व रमा शर्मा ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में डॉ. लहरी ने गोबर से बने उत्पादों के संबंध में कहा कि वर्तमान पीढ़ी के दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। जिससे इन उत्पादों की आवश्यकता अधिक से अधिक बढ़े। पद्मश्री पांडे ने कहा कि बेटियां लक्ष्मी का रूप होती हैं। लक्ष्मी के अभाव में पूरा घर सूना लगता है। हरगोविंद विश्व ने कहा कि मुझे खुशी है कि हम साहित्यिक, सांस्कृतिक विरासत को संजोय हुए हैं। समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि अभी ऐसा लगता होगा कि हम बहुत कार्य कर चुके हैं। लेकिन मेरी दृष्टि से यह मात्र तीन प्रतिशत ही हुआ है। हमारे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए हमें और अधिक तेजी से काम करना होगा। कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने आभार माना। समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के स्त्रोतों से जोड़ा गया। हम उनके लिए आय के साधन, उत्तम स्वास्थ्य, जागरूकता संबंधी अभियान एवं उनकी आवाज को मंच प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। श्रीयांश जैन ने समिति की रूपरेखा से परिचित कराया। सहसंचालक अभिलाषा जाटव ने मोहल्ला विकास की जानकारी साझा की।

इस अवसर पर विनय मलैया, सौरभ रांधेलिया, अंशुल भार्गव, राजेश सिंघई, राजकुमार नामदेव, उमाकांत मिश्रा, सूरज सोनी, अनुराग विश्वकर्मा, आयुषी सागर, ज्योति सराफ, नीपा दिवाकर, रजनी जैन उपस्थित थीं।

सागर, मंगलवार, 13 दिसम्बर 2022 3

विचार समिति ने किया सम्मान समारोह आयोजित

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति एवं क्रेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिला स्वरोजगार की ओर बढ़ते कदमों को प्रोत्साहित करने के लिए विचार समिति ने किया समिति प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया। 75 प्रतिभागियों को गोबर की शील्ड व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। तीन प्रोजेक्ट पर सहभागियों का सम्मान किया गया। प्रथम प्रोजेक्ट में तीन दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का आयोजन किया जिसमें गुजरात, मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ राज्यों के 12 ट्रेनर शामिल थे। प्रशिक्षण में स्वरोजगार का मतलब जानना, स्वरोजगार कैसे शुरू किया जाए की जानकारी, बजट बनाना, विपणन और बिक्री करने के तरीकों का प्रशिक्षण शामिल था। द्वितीय प्रोजेक्ट में तीन दिवसीय स्कूली शिक्षकों की वचुर्अल प्रशिक्षण में 21वीं शताब्दी के कौशलों, वर्तमीन परिपेक्ष्य में शैक्षणिक, आवश्यकताओं के लिए 65 शिक्षकों ने सहभागिता रखी थी। इसके अलावा तृतीय प्रोजेक्ट में स्वावलंबन योजना के तहत गोबर से बने उत्पादों के प्रमोशन, विक्रय, डिजाइनिंग में सहभागी थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री सम्मान से सम्मानित रामसहाय पांडे, विशिष्ट अतिथि बंसल हास्पिटल के सीईओ डॉ. संकेत लहरी, कवि हरगोविंद विश्व, मंचासीन पदाधिकारी क्रेस्ट एलाइंस बैंगलोर से प्रांजल मिश्रा, भावी निर्माण सोसायटी जयपुर से गिरिराज शर्मा, रमा शर्मा उपस्थित थे। इस अवसर पर बंसल हास्पिटल के सीईओ संकेत लहरी ने कहा कि विचार समिति शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सभी मुद्दों पर ईमानदारी से कार्य कर रही है। उन्होंने गोबर से बने उत्पादों के संबंध में कहा कि वर्तमान पीढ़ी के दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। जिससे इन उत्पादों की आवश्यकता अधिक से अधिक बढ़े। रामसहाय पांडे ने कहा कि विचार समिति जो कार्य कर रही है उससे सागर का नाम निश्चित तौर पर विश्व में ऊंचा उठेगा। उन्होंने महिला सशिक्तकरण को बढ़ावा देते हुए कहा कि बेटियां लक्ष्मी का रूप होती हैं और लक्ष्मी के अभाव में पूरा घर सूना लगता है। हरगोविंद विश्व ने बताया कि मुझे बहुत खुशी होती है कि हम साहित्यिक, सांस्कृतिक विरासत को संजोय हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि क्या हमने कभी यह कल्पना की थी कि गाय के गोबर से घड़ी बन सकती है? लेकिन यह कार्य विचार समिति ने कर दिखाया। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सागर में प्रतिभा की कमी नहीं है। किसी ने कभी यह सोचा भी नहीं होगा कि गाय के गोबर से घड़ी, मोमेंटो, घर के साज-सज्जा का सामान बनाया जा सकता है। अभी ऐसा लगता होगा कि हम बहुत कार्य कर चुके हैं लेकिन मेरी दृष्टि से यह मात्र तीन प्रतिशत ही काम हुआ है।

कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने आभार व्यक्त किया।इस अवसर पर विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि समिति एवं क्रेस्ट एलाइंस द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के स्त्रोतों से जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनके लिए आय के साधन, उत्तम स्वास्थ्य, जागरूकता संबंधी अभियान एवं उनकी आवाज को मंच प्रदान करने का पुरजोर प्रयास कर रहे हैं। मंच संचालन समिति मार्गदर्शक श्रीयांश जैन ने किया। इस अवसर पर विनय मलैया, सौरभ रांधेलिया, अंशुल भार्गव, राजेश सिंघई, राजकुमार नामदेव, उमाकांत मिश्रा, सूरज सोनी, अनुराग विश्वकर्मा, आयुषी सागर, ज्योति सराफ, नीपा दिवाकर, रजनी जैन आदि उपस्थित थीं।

दैनिक अतुल्य भास्कर सागर, 13 दिसम्बर 2022

महिला स्वरोजगार की ओर बढ़ते कदमों को प्रोत्साहित करने के लिए विचार समिति ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

अतुल्य भास्कर, सागर

विचार समिति एवं क्वेस्ट एलाइंस के संयुक्त तत्वावधान में महिला स्वरोजगार की ओर बढ़ते कदमों को प्रोत्साहित करने के लिए विचार समिति ने किया समिति प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया। 75 प्रतिभागियों को गोबर की शील्ड व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। तीन प्रोजेक्ट पर सहभागियों का सम्मान किया गया। प्रथम प्रोजेक्ट में तीन दिवसीय स्वरोजगार प्रशिक्षण का आयोजन किया जिसमें गुजरात, मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ राज्यों के 12 ट्रेनर शामिल थे। प्रशिक्षण में स्वरोजगार का मतलब जानना, स्वरोजगार कैसे शुरू किया जाए की जानकारी, बजट बनाना, विपणन और बिक्री करने के तरीकों का प्रशिक्षण शामिल था। द्वितीय प्रोजेक्ट में तीन दिवसीय स्कूली शिक्षकों की वचुरूअल प्रशिक्षण में 21वीं शताब्दी के कौशलों, वर्तमीन परिपेक्ष्य में शैक्षणिक, आवश्यकताओं के लिए 65 शिक्षकों ने सहभागिता रखी थी। इसके अलावा तृतीय प्रोजेक्ट में स्वावलंबन योजना के तहत गोबर से बने उत्पादों के प्रमोशन, विक्रय, डिजाइनिंग में सहभागी थे।

इस अवसर पर बंसल हास्पिटल के सीईओ संकेत लहरी ने कहा कि विचार समिति शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सभी मुद्दों पर ईमानदारी से कार्य कर रही है। उन्होंने गोबर से बने उत्पादों के संबंध में कहा कि वर्तमान पीढ़ी के दृष्टिकोण में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। जिससे इन उत्पादों की आवश्यकता अधिक से अधिक बढ़े।

रामसहाय पांडे ने कहा कि विचार समिति जो कार्य कर रही है उससे सागर का नाम निश्चित तौर पर विश्व में ऊंचा उठेगा। उन्होंने महिला सशिक्तकरण को बढ़ावा देते हुए कहा कि बेटियां लक्ष्मी का रूप होती हैं और लक्ष्मी के अभाव में पूरा घर सूना लगता है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री सम्मान से सम्मानित रामसहाय पांडे, विशिष्ठ अतिथि बंसल हास्पिटल के सीईओ डॉ. संकेत लहरी, कवि हरगोविंद विश्व, मंचासीन पदाधिकारी क्वेस्ट एलाइंस बैंगलोर से प्रांजल मिश्रा, भावी निर्माण सोसायटी जयपुर से गिरिराज शर्मा, रमा शर्मा उपस्थित थे।

आकांक्षा ने संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में भाग लिया

आदित्य ज्योति/- सागर। विचार समिति अब अंतर्राष्ट्रीय संस्था बन चुकी है। हाल ही में बैंकाक में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने भाग लिया। आकांक्षा ने संयुक्त राष्ट्र संघ के महत्वपूर्ण सत्रों में से एशिया-प्रशांत क्षेत्र जलवायु फाइनेंस राउंड टेबल में वक्ता की भूमिका निभाई। यह जानकारी रविवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में विचार संस्था की आकांक्षा मलैया ने दी। उन्होंने बताया कि विचार संस्था गोबर के इस्तेमाल से लकड़ी और मिट्टी का संरक्षण करने का कार्य कर रही है। वह जिले की विकास के लिए कार्यरत एक गैरसरकारी संगठन है। जिसका मुख्य उद्देश्य समग्र विकास के लिए जागरूकता और सामाजिक कार्यवाही के माध्यम से सतत सहभागी विकास का एक मॉडल तैयार करना है।

वर्चुअल शिक्षक प्रशिक्षण में 65 शिक्षक ने लिया हिस्सा

क्वेस्ट एलाइंस एवं विचार समिति ने किया था आयोजन

भास्कर संवाददाता | सागर

क्वेस्ट एलाइंस एवं विचार समिति के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय वर्चुअल शिक्षक प्रशिक्षण में 21वीं सदी के कौशलों, वर्तमान परिपेक्ष्य में शैक्षिक मुद्दों की आवश्यकता आधारित परिचर्चा हुई। इसमें 65 शिक्षकों ने सहभागिता की। क्वेस्ट एलाइंस दिल्ली के अधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में सभी प्रकार के कौशलों की बहुत आवश्यकता है। स्कूली शिक्षा में छात्रों पर पढ़ाई के दौरान पड़ने वाले बोझ को कम करना है। इसके लिए शिक्षकों के लिए कैसे तैयार किया जाए और बच्चों को आवश्यक कौशलों में पारंगत कर सकें। उनके लिए रोजगार तैयार कर सकें। एक प्रशिक्षक, शिक्षक, समन्वयक में क्या अंतर है? शिक्षकों को यह समझाना कि बच्चा केवल कोरा कागज नहीं होता। वह सब कुछ जानता है बस उसके ज्ञान में वृद्धि करने की आवश्यकता है। शिक्षक जो कुछ जानते हैं, उन्हें और निखारने की आवश्यकता है। बच्चों को कैसे समझाया जा सकता है? उन्हें सीखने के लिए कैसे प्रेरित किया जा सकता है। शिक्षक की भागीदारी एवं जिम्मेदारी के साथ नैतिक शिक्षा, भावनात्मक शिक्षा से जोड़ सकें। इसके साथ ही शिक्षण विधियों में परिवर्तन के रोचक ढंग से सीखने के दृष्टिकोण को पैदा करने की आवश्यकता है। बच्चों को डिजिटल शिक्षा से कैसे जोड़ना है, सभी बच्चों को खेल से जोड़कर सिखाने की आवश्यकता है।

यह है क्वेस्ट एलायंस का उद्देश्य

क्वेस्ट एलायंस की स्थापना 2005 में हुई थी। तब से यह शिक्षा प्रौद्योगिकी, नवाचार और सहयोग के माध्यम से सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए कार्यरत है। इसके तहत आनंदशाला, माध्यमिक विद्यालय, शिक्षक विकास, माय क्वेस्ट, चेंज लीडर्स एकेडमी, क्वेस्ट-2 लर्न संचालित हैं। शिक्षक प्रशिक्षण में शहर के सरकारी और निजी स्कूलों के शिक्षकों ने प्रशिक्षण लिया।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 23-12-2022

विचार समिति ने शुरू किया हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र, एक बैच में 20 लोग ले सकेंगे ट्रेनिंग

भास्कर संवाददाता | सागर

तिलकगंज में हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ करते अतिथि।

विचार समिति ने आचार्यश्री विद्यासागर महाराज की प्रेरणा और स्वदेशी वस्त्रों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से तिलकगंज में हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का गुरुवार को शुभारंभ किया। केंद्र में एक बैच में 15 से 20 प्रशिक्षणार्थी ट्रेनिंग ले सकेंगे। केंद्र का उद्घाटन सरोज मलैया ने किया। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि 8 हथकरघा मशीनों के साथ यह प्रशिक्षण दो सत्रों में संचालित होगा। इसमें पहला बैच दोपहर 1 बजे से 3:30 बजे तक तथा दूसरा बैच दोपहर 3:30 बजे से शाम 6 तक नियमित जारी रहेगा। प्रत्येक बैच में 15 से 20 प्रशिक्षणार्थी ट्रेनिंग ले सकेंगे। प्रशिक्षण के लिए महिलाएं एवं पुरुष विचार समिति कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण निःशुल्क होगा, जिसका लाभ इच्छुक महिला एवं पुरुष वर्ग सभी ले सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें चादर, टॉवल, साड़ी, धोती एवं पंचा बनाना सिखाया जाएगा। समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा विचार समिति हथकरघा को आजीविका का साधन बना रही है। साथ ही सागर के सामाजिक, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने प्रोत्साहित करते हुए सबसे पहले कपड़ों का ऑर्डर दिया। उन्होंने कहा यह लघु उद्योगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रशिक्षक भाग्यश्री राय ने केंद्र की जानकारी साझा करते हुए कहा कि 75 दिन में इस काम को कुशलतापूर्वक सीखा जा सकता है। कार्यक्रम में सचिव आकांक्षा मलैया, प्रीति मलैया, आकाश जैन, प्रीति जैन, रजनी जैन, नीलू सागर आदि उपस्थित थीं।

विचार समिति ने किया हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना

सागर। विचार समिति द्वारा आचार्यश्री विद्यासागर महाराज की प्रेरणा से स्वदेशी वस्त्रों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र से 300 सफल हथकरघा बुनकरों के बाद नये हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ सरोज मलैया द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा के पास टू वैल्यू तिलकगंज में किया गया। हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र की जानकारी देते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि 8 हथकरघा मशीनों के साथ यह प्रशिक्षण दो सत्रों के माध्यम से संचालित होगा। जिसमें 1 बजे से 3:30 बजे व दूसरा बैच 3:30 से 6 तक नियमित जारी रहेगा। प्रत्येक बैच में 15 से 20 प्रशिक्षणार्थी ट्रेनिंग ले सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए महिलाएं एवं पुरुष विचार समिति कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णता निःशुल्क होगा, जिसका लाभ इच्छुक महिला एवं पुरुष वर्ग सभी ले सकते हैं। प्रशिक्षण में उन्हें चादर बनाना, टॉवल, साड़ी, धोती एवं पंचा बनाना सिखाया जाएगा। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा विचार समिति हथकरघा को आजीविका का साधन बना रही है। साथ ही सागर के सामाजिक, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने सबसे पहले कपड़ो का ऑडर दिया। साथ ही उन्होंने कहा स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। यह लघु उद्योगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हथकरघा केंद्र प्रशिक्षक भाग्यश्री राय केंद्र की जानकारी साझा करते हुए कहा कि 75 दिवस के अंतराल में इस कार्य को कुशलता पूर्वक सीखा जा सकता है। कार्यक्रम में सचिव आकांक्षा मलैया, प्रीति मलैया, आकाश जैन, प्रीति जैन, रजनी जैन, नीलू सागर आदि उपस्थित थीं।

दैनिक करारा जवाब

बैठक में विचार समिति ने पर्यावरण का संरक्षण पर दी प्रस्तुति

सागर। विचार समिति अब अंतर्राष्ट्रीय संस्था बन चुकी है। हाल ही में बैंकाक में आयोजित संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने भाग लिया। आकांक्षा ने संयुक्त राष्ट्र संघ के महत्वपूर्ण सत्रों में से एशिया-प्रशांत क्षेत्र जलवायु फाइनेंस राउंड टेबल में वक्ता की भूमिका निभाई। बैठक में स्वच्छ ऊर्जा निवेश, हरित जलवायु कोष और सीओपी २७ में निवेश से संबंधित प्रमुख चर्चाएँ हुईं। जिसमें आकांक्षा ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने पर अपने विचार रखते हुए कहा कि फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एवं स्टॉक मार्केट के जरिए से ग्रीन एनर्जी में इन्वेस्टमेंट बढ़ाए जा सकते हैं। इस इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्लीन एनर्जी पर शोध बढ़ाया जा सकता है और विश्व वहनीयता (सस्टेनेबिलिटी) की ओर कदम बढ़ा सकता है। उन्होंने बताया कि विचार संस्था गोबर के इस्तेमाल से लकड़ी और मिट्?टी का संरक्षण करने का कार्य कर रही है। जिसमें संस्था द्वारा ७ लाख गोबर के दीए बनाकर २५८ निर्धन महिलाओं को रोजगार प्रदान किया गया। इससे २५० गौ माताओं का संरक्षण हुआ और करीब ३५ हजार किलो मिटटी के अपक्षरण को भी बचाया है। समिति यह संदेश देना चाहती है कि हमें ऐसी निर्माण सामग्रियों का उपयोग करना चाहिए, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सके। बैठक का आयोजन २९ नवंबर से १ दिसंबर २०२२ तक किया गया। जिसका विषय एशिया और प्रशांत क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग और एकजुटता के माध्यम से हमारे ग्रह की रक्षा करना था। इस बैठक में थाइलैंड के प्रधानमंत्री और अलग-अलग देशों के मंत्री एवं प्रतिनिधि शामिल हुए।

हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से स्वदेशी वस्त्रों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र से 300 सफल हथकरघा बुनकरों के बाद नये हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ श्रीमती सरोज मलैया द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा के पास टू वैल्यू तिलकगंज में किया गया। हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र की जानकारी देते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि 8 हथकरघा मशीनों के साथ यह प्रशिक्षण दो सत्रों के माध्यम से संचालित होगा। जिसमें 1 बजे से 3:30 बजे व दूसरा बैच 3:30 से 6 तक नियमित जारी रहेगा। प्रत्येक बैच में 15 से 20 प्रशिक्षणार्थी ट्रेनिंग ले सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए महिलाएं एवं पुरुष विचार समिति कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क होगा, जिसका लाभ इच्छुक महिला एवं पुरुष वर्ग सभी ले सकते हैं। प्रशिक्षण में उन्हें चादर बनाना, टॉवल, साड़ी, धोती एवं पंचा बनाना सिखाया जाएगा। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा विचार समिति हथकरघा को आजीविका का साधन बना रही है। साथ ही सागर के सामाजिक, आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते है। समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने हौसला अफजाई करते हुए सबसे पहले कपड़ों का ऑर्डर दिया। साथ ही उन्होंने कहा स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। यह लघु उद्योगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हथकरघा केंद्र प्रशिक्षक भाग्यश्री राय केंद्र की जानकारी साझा करते हुए कहा कि 75 दिवस के अंतराल में इस कार्य को कुशलतापूर्वक सीखा जा सकता है। कार्यक्रम में सचिव आकांक्षा मलैया, प्रीति मलैया, आकाश जैन, प्रीति जैन, रजनी जैन, नीलू सागर आदि उपस्थित थीं।

विचार समिति द्वारा हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

अतुल्य भास्कर, सागर

विचार समिति द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से स्वदेशी वस्त्रों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र से 300 सफल हथकरघा बुनकरों के बाद नये हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ श्रीमति सरोज मलैया जी द्वारा मैजेस्टिक प्लाजा के पास टू वैल्यू तिलकगंज में किया गया। हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र की जानकारी देते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने कहा कि 8 हथकरघा मशीनों के साथ यह प्रशिक्षण दो सत्रों के माध्यम से संचालित होगा।

इच्छुक महिला एवं पुरुष वर्ग सभी ले सकते हैं। प्रशिक्षण में उन्हें चादर बनाना, टॉवल, साड़ी, धोती एवं पंचा बनाना सिखाया जाएगा।

सबसे पहले कपड़ो का ऑडर दिया। साथ ही उन्होंने कहा स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। यह लघु उद्योगों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हथकरघा

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University — A Private University Promoting Public Service
TISS — Tata Institute Of Social Sciences — RE-IMAGINING FUTURES
UPES — UNIVERSITY OF THE FUTURE
BHU — Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE
Goodera
ConnectAID — The International Solidarity Network

learning initiatives for india
meraadhikar — one nation. one platform
Lyvefresh®

TechPose
BENNETT UNIVERSITY — TIMES OF INDIA GROUP
ACADEMIA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT
POLICY RESEARCH FOUNDATION — PRF

NCD — NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT — We Design Your Growth Story
danamojo — experience the magic of giving
IIMT GROUP OF COLLEGES — Greater Noida • Meerut — Aim For Excellence

Dr. H.S. Gour University Sagar [M.P.]
THE ART OF LIVING®
Rotary Club of Sagar

STEP-AHEAD — Fellowship Preparation-Support — MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT ROHTAK
भारत विकास परिषद — Bharat Vikas Parishad Sagar [M.P.]
ISRN

Edu-Vitae Services — JOIN! LEARN! ACHIEVE!
India is Us! — i2u Social Foundation
संजीवनी बाल आश्रम
For HER Foundation — Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

VICHAR SAMITI
powered by: danamojo
cfpay.dmvicharsamiti@icici
UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर